Literacy for a Billion

Movie: Nikaah
Year: 1982

Song: Dil Ki Ye Aarzoo Thi
Lyricist: Hasan Kamal

दिल की ये आरजू थी
कोई दिलरूबा मिले
दिल की ये आरजू थी
कोई दिलरूबा मिले
लो बन गया नसीब की
तुम हमसे आ मिले
दिल की ये आरजू थी
कोई दिलरूबा मिले
देखें हमें नसीब से
अब अपने क्या मिले
देखें हमें नसीब से
अब अपने क्या मिले
अब तक तो जो भी
दोस्त मिले बेवफा मिले
अब तक तो जो भी
दोस्त मिले बेवफा मिले
आँखों को एक इशारे
की जहमत तो दीजिये
कदमों में दिल बिछा दूँ
इजाजत तो दीजिए
ग़म को गले लगा लूँ
जो ग़म आप का मिले
ग़म को गले लगा लूँ
जो ग़म आप का मिले
दिल की ये आरजू थी
कोई दिलरूबा मिले
दिल की ये आरजू थी
कोई दिलरूबा मिले

कोई दिलरूबा मिले
हमने उदासियों में
गुजारी है जिन्दगी
हमने उदासियों में
गुजारी है जिन्दगी
लगता है डर
फरे बे वफ़ा से कभी कभी
लगता है डर
फरे बे वफ़ा से कभी कभी
ऐसा न हो के ज़ख़्म
कोई फिर नया मिले
ऐसा न हो के ज़ख़्म
कोई फिर नया मिले
अब तक तो जो भी
दोस्त मिले बेवफा मिले
कल तुम जुदा हुए थे
जहाँ साथ छोड़ कर
हम आज तक खड़े हैं
उसी दिल के मोड़ पर
हम को इस इंतजार का
कुछ तो सिला मिले
हम को इस इंतजार का
कुछ तो सिला मिले
दिल की ये आरजू थी
कोई दिलरूबा मिले
दिल की ये आरजू थी
कोई दिलरूबा मिले

देखें हमें नसीब से
अब अपने क्या मिले
अब तक तो जो भी

दोस्त मिले बेवफा मिले
अब तक तो जो भी
दोस्त मिले बेवफा मिले

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.